आज़ादी का अमृत महोत्सव

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर
MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY GORAKHPUR
स्वस्ति पन्थामनुचरेम्
2021

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

सम्पादक

श्री मनीष कुमार त्रिपाठी

• वर्ष - 3 • अंक - 2 • फरवरी, 2023

आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

सम्पादक

श्री मनीष कुमार त्रिपाठी

सह-सम्पादक

डॉ. प्रज्ञा सिंह
डॉ. अनुपमा ओझा
श्री विश्वजीत लूथर हैरिसन

प्रकाशक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

बीएएमएस प्रवेश

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयूर्वेद कॉलेज) में प्रवेश प्रक्रिया के अंतिम दिवस **01 फरवरी, 2023** को आयुर्वेद कॉलेज के नियोजित समस्त सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयुष काउंसलिंग के प्रथम चक्र में ही विश्वविद्यालय की समस्त सीटों का आवंटन हुआ। प्रवेश प्रक्रिया में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षक एवं कर्मचारी विद्यार्थियों के सहयोग हेतु हर सम्भव प्रयास कर रहे है।

जी20 कार्यशाला

दिनांकः **02 फरवरी, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग कॉलेज में उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दिए गये निर्देश के क्रम में जी–20 सम्मेलन के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता प्रोफेसर हर्ष कुमार सिन्हा प्रोफेसर रक्षा अध्ययन विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर ने जी 20 सम्मेलन के बारे में उद्देश्य एवं प्रचार–प्रसार तथा इस हेतु निर्धारित अवधि में किए जाने वाले कार्यक्रमो से सभी को विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। प्रो. सिन्हा ने आगे कहा कि मोटे अनाज के फायदे तथा इससे देश के विकास में होने वाले योगदान को भी समझाया। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनपदीय नोडल अधिकारी गोरखपुर प्रोफेसर श्रीमती कुमुद त्रिपाठी (दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय), विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव श्रीकांत जी, अधिष्ठाता स्वास्थ्य विज्ञान संकाय प्रो.सुनील कुमार सिंह, डॉ विजय दुगेसर अधिष्ठाता कृषि विज्ञान संकाय, डॉ. डी. एस .अजीथा प्राचार्या, नर्सिंग कॉलेज एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. अखिलेश कुमार दूबे द्वारा किया गया।

रूमेटाइड अर्थराइटिस जागरूकता दिवस

दिनांक : **02 फरवरी, 2023** को गुरू महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में रूमेटाइड अर्थराइटिस जागरूकता दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यन का आयोजन हुआ। व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता डॉ. अमित मिश्रा, हड्डी रोग विशेषज्ञ, बी.आर.डी. मेडिकल कॉलेज गोरखपुर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि रूमेटाइड अर्थराइटिस शरीर के जोड़ों से सम्बन्धित रोग है। जिसमें जोड़ों में दर्द और सूजन की समस्या सामान्य है। इस रोग से पीड़ित मरीज की रोग प्रतिरोधक क्षमता सामान्य मनुष्य से कम रहती है तथा इसका प्रभाव मुख्य रूप से शरीर के दाएं एवं बाएं हिस्से को प्रभावित करता है। यह रोग शरीर के अन्य अंगों जैसे– नेत्र, हृदय आदि को भी प्रभावित करता है। रोग से बचाव के तौर पर नियमित सैर व स्वास्थ्यपरक भोजन को अपनाना उचित है। इसी क्रम में कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता के तौर पर महन्त दिग्विजयनाथ चिकित्सालय के आयुर्वेदिक परामर्श चिकित्सक डॉ. अभिजीत नारायणन ने कहा कि आयुर्वेद में इस रोग को आमवात के नाम से जाना जाता है। तथा यह शरीर में जठराग्नि मंद होने व आहार का पाचन न होने से होता है। यह शरीर के जोड़ों में दर्द, जकडाहट, लालिमा और कार्य करने की क्षमता को कम करता है। इस कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस छात्र शौर्य प्रताप सिंह ने किया एवं आभार ज्ञापन डॉ. प्रज्ञा सिंह ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति, प्राचार्य, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थिति रहें।

पोस्टर प्रतियोगिता

दिनांक : **02 फरवरी, 2023** को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर पर्यावरण संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें आयुर्वेद कॉलेज के विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का संयोजन आचार्य साध्वी नंदन पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम में बीएएमएस प्रथम वर्ष के कुल 96 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

टेराकोटा

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में शोध परियोजना के क्रियान्यवन हेतु आचार्य सुनील कुमार सिंह (प्रभारी, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ) के नेतृत्व में चार सदस्यीय समूह को टेराकोटा प्रभुत्व ग्राम—औरंगाबाद में **02 फरवरी, 2023** को निरीक्षण हेतु भेजा गया। निरीक्षण के दौरान टेराकोटा कामगारों से संवाद स्थापित कर उनके कार्यो के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। जिसके प्रतिफल में पाया गया कि कामगारों को प्रशासन द्वारा दिए गए अनुदानों का सकारात्मक प्रभाव उनके दैनिक व व्यावसायिक जीवन में दिखा। टेराकोटा कामगारों की मुख्य कलाकृतियां जैसे—हाथी, घोड़ा, भगवान गणेश, लालटेन फूलदान, वादयंत्र युक्त मानव आदि है। कामगार कलाकृतियों को बनाने के लिए ग्रामसभा में मौजूद तालाब के मिट्टी का प्रयोग करते हैं। कामगारों से संवाद के दौरान यह भी जानने का प्रयास किया गया कि तकनीक का प्रभाव उनके व्यवसाय पर किस प्रकार का रहा। चार सदस्यीय समूह में अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ प्रभारी के अतिरिक्त डॉ. अनुपमा ओझा, श्री मनीष त्रिपाठी एवं श्री शारदानन्द पाण्डेय जी रहें।

अध्ययन परिषद बैठक

दिनांक : **03 फरवरी, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फैकल्टी ऑफ एलाइड हेल्थ साइंस के मेडिकल बॉयोकमेस्ट्री विभाग में अध्ययन परिषद की बैठक आचार्य सुनील कुमार सिंह (अधिष्ठाता, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय) की अध्यक्षता में आहुत की गई। जिसमें आचार्य राजकुमार (बॉयोकमेस्ट्री विभाग, बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर) विषय विशेषज्ञ के तौर पर उपस्थित रहें। इस बैठक में मुख्य रूप से बी.एस.सी. मेडिकल बॉयोकमेस्ट्री, एम.एस.सी. मेडिकल बॉयोकमेस्ट्री एवं पी.एच.डी, मेडिकल बॉयोकमेस्ट्री के पाठ्यक्रमों का अनुमोदन कराया गया। इस बैठक में अध्ययन परिषद के सभी सदस्य उपस्थित रहें।

एमओयू अनुबंध

गुणवत्तापरक, समयानुकूल, नवीनशोध, शैक्षिक नवोन्मेष, शिक्षकों एवं छात्रों के बीच आपसी तालमेल के माध्यम से शैक्षिक उन्नयन के उद्देश्यों हेतु **3 फरवरी, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर व बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के मध्य एमओयू अनुबंध हुआ। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की ओर से माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी की व बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के माननीय कुलपति आचार्य संजय सिंह की उपस्थिति में अम्बेडकर भवन के सभागार में किया गया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की ओर से उप कुलसचिव श्री श्रीकान्त एवं बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ की ओर से कुलसचिव श्री अश्विनी कुमार सिंह द्वारा अनुबंध प्रपत्रों पर हस्ताक्षर किया गया। इस अवसर पर डॉ. शीलम वाजपेई, आचार्य राज शरण शाही, आचार्य व अधिष्ठाता (शैक्षणिक) डॉ. आर. पी. सिंह, डॉ. हरिशंकर सिंह, डॉ. सुभाष मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

अध्ययन परिषद बैठक

दिनांक : **04 फरवरी, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फैकल्टी ऑफ एलाइड हेल्थ साइंस के मेडिकल बॉयोकमेस्ट्री विभाग में अध्ययन परिषद की बैठक आचार्य सुनील कुमार सिंह (अधिष्ठाता, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय) की अध्यक्षता में आहुत की गई। जिसमें डॉ. गौरव राज (वैज्ञानिक, आई.सी.एम.आर. क्षेत्रीय चिकित्सा शोध केन्द्र, गोरखपुर) विषय विशेषज्ञ के तौर पर उपस्थित रहें। इस बैठक में मुख्य रूप से बी.एस.सी. मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी एवं एम.एस.सी. मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी के पाठ्यक्रमों का अनुमोदन कराया गया। इस बैठक में अध्ययन परिषद के सभी सदस्य उपस्थित रहें।

विश्व कैंसर दिवस

दिनांकः **04 फरवरी, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल सांइसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में विश्व कैंसर दिवस पर कैंसर से सुरक्षा व बचाव विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कैंसर दिवस का प्राथमिक लक्ष्य कैंसर से होने वाली बीमारियों व मृत्यु दर को कम करना है। कैंसर एक असाध्य रोग है जिसकी शीघ्र पहचान व उपचार की आवश्यकता है। इस रोग में रोगी की रोग प्रतिरोधक क्षमता बुरी तरह असंतुलित होती है। कैंसर के स्तर को पता कर चिकित्सक रोगी का निदान करते है। वर्ष 2023 में कैंसर दिवस का थीम "क्लोज द केयर गैप" निर्धारित किया गया है। जिसका उद्धेश्य कैंसर से पीड़ित व्यक्ति को अलग से उपचारित न किया जाय उन्हे समाज में आम इन्सान की तरह जीने का अधिकार होना चाहिए। उक्त बातें बतौर मुख्य अतिथि डॉ. किरन कुमार रेड्डी ने कहीं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में कैंसर से बचाव एवं सुरक्षा विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा उपस्थित रहीं।

अध्ययन परिषद बैठक

दिनांक : **06 फरवरी, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फैकल्टी ऑफ एलाइड हेल्थ साइंस के मेडिकल बॉयोकमेस्ट्री विभाग में अध्ययन परिषद की बैठक आचार्य सुनील कुमार सिंह (अधिष्ठाता, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय) की अध्यक्षता में आहुत की गई। जिसमें डॉ. गौरव राज (वैज्ञानिक, आई.सी.एम.आर. क्षेत्रीय चिकित्सा शोध केन्द्र, गोरखपुर) विषय विशेषज्ञ के तौर पर उपस्थित रहें। इस बैठक में मुख्य रूप से बी.एस.सी. मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी एवं एम.एस.सी. मेडिकल

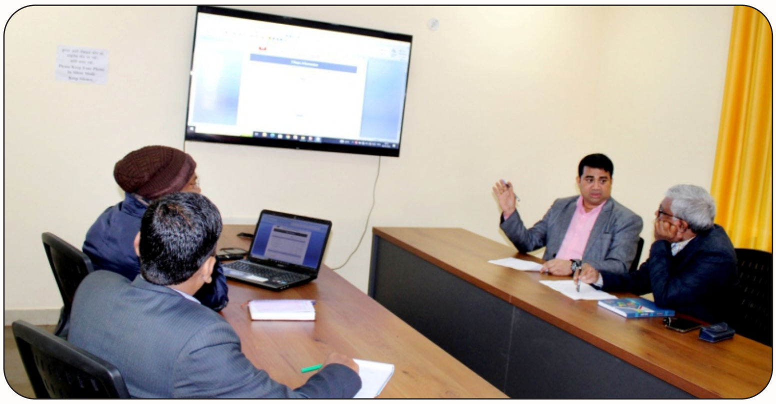

युवा संवाद

दिनांकः **6 फरवरी, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग के आडिटोरियम में वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन शिक्षा–चिकित्सा एवं रोजगार के विशेष संदर्भ में युवा संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि श्री देश दीपक वर्मा, पूर्व महासचिव, राज्य सभा एवं अध्यक्ष अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान गोरखपुर रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, श्री पवन अग्रवाल, सी. ई. ओ. गीडा, श्री संजय कुमार मीना, मुख्य विकास अधिकारी गोरखपुर, प्रो. शोभा गौड़ सदस्य कार्यपरिषद, डॉ शैलेंद्र प्रताप सिंह सदस्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, श्री प्रमथनाथ सदस्य कार्यपरिषद, डॉ डीएस अजीथा प्रधानाचार्य गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग, डॉ मंजूनाथ प्रधानाचार्य गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (आयुर्वेद कालेज) एवं डॉ सुनील कुमार सिंह अधिष्ठाता एलायड हेल्थ साइंस सहित विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे

जी20 संवाद

दिनांकः 09 फरवरी, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में जी–20 सम्मेलन जिसकी मेजबानी भारत कर रहा है। इसके व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें आयुर्वेद कालेज के छात्र–छात्राओं ने अपने विचार प्रस्तुत किये। आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. मन्जूनाथ एन. एस. के निर्देशन में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रज्ञा सिंह ने किया। इस अवसर पर आयुर्वेद कालेज के समस्त शिक्षक एवं छात्र–छात्राओं की सहभागिता रही।

विश्व ऐपिलेप्सी दिवस

दिनांकः 13 फरवरी, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के नर्सिंग व पैरामेडिकल कॉलेज में विद्यार्थियों द्वारा विश्व एपिलेप्सी दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन सुश्री सलोनी गुप्ता व अनामिका के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा जी ने विश्व एपिलेप्सी दिवस पर जागरूकता फैलाने हेतु विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। इस प्रतियोगिता में कुल 51 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुश्री अर्चना सिंह, द्वितीय स्थान सुश्री सुनिधि प्रजापति एवं तृतीय स्थान

छात्रावास उद्घाटन

दिनांकः 13 फरवरी, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में छात्रों के निवास हेतु नवनिर्मित 600 कमरों वाले छात्रावास का उद्घाटन व पूजन का आयोजन हुआ। पूजन मे विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई, कुल सचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस. ,नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ डी. एस. अजिथा, सम्बद्ध एवं स्वास्थ्य संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह आदि उपस्थित रहें।

संकाय परिषद बैठक

दिनांक : 14 फरवरी, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के फैकल्टी ऑफ एलाइड हेल्थ साइंस में संकाय परिषद की बैठक आचार्य सुनील कुमार सिंह (अधिष्ठाता, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय) की अध्यक्षता में आहुत की गई। जिसमें प्रो. दिनेश राज मोदी, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ प्रो. दिनेश यादव, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर विषय विशेषज्ञ के तौर पर उपस्थित रहें।

प्रशिक्षण कार्यशाला

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय विभाग द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण सह–कार्यशाला का आयोजन दिनांक–15 व 16 फरवरी, 2023 को किया गया। यह कार्यशाला सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय विभाग एवं हाईमीडिया लेबोरेट्रीज प्रा. लि. के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुआ। कार्यशाला का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी ने किया। इस अवसर पर सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो० सुनील कुमार सिंह ने कहा कि इस तरह के कार्यशालाओं के आयोजन से बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि एवं नवीन आविष्कारों के जनन की प्रेरणा मिलती है। हाईमीडिया के वैज्ञानिक डा. अनुपम पाण्डेय व श्री सपन गोस्वामी ने डी. एन. ए. आयसोलेसन, पी.सी.आर. एवं जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस तकनीकियों का हस्त प्रशिक्षण दिया। दो दिवसीय कार्यशाला में कुल 120 विद्यार्थियों (बी.एस.सी., एम.एस.सी. बायोटेक्नोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमेस्ट्री एवं कृषि विज्ञान) ने प्रतिभाग किया।

अभिविन्यास-उद्घाटन समारोह

दिनांक : **15 फरवरी, 2023** दिन बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के द्वारा संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में बीएएमएस प्रथम वर्ष 2022–23 दीक्षा समारोह कार्यक्रम आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर रामचंद्र रेड्डी (पूर्व विभागध्यक्ष रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय) ने आयुर्वेद की महिमा बताते हुए कहा कि धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष का मूल आरोग्य होता है। इन सबकी प्राप्ति के लिए शरीर का स्वस्थ होना आवश्यक है और शरीर को स्वस्थ होने का उपाय हम आयुर्वेद शास्त्र से ही जानते हैं। जटिल से जटिल रोगों का उपचार आयुर्वेद शास्त्र में वर्णित है। ज्योतिष, योग, आयुर्वेद चिकित्सा शास्त्र का मूल स्थान भारतवर्ष है। अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई ने कहा कि आयुर्वेद का उत्थान करना है तो हमें ऊंची सोच के साथ–साथ कठिन परिश्रम करना होगा। शोध कार्यों को बढ़ावा देना होगा। आयुर्वेद का पतन भारत में विदेशी आक्रमणकारियों तुर्क, मुगल एवं अंग्रेजों के आने के बाद से हुआ। तुर्क या मुगल अपने साथ हकिमों को साथ लाए थे जो युनानी चिकित्सा को बढ़ावा दिए लेकिन बाद में उन्होंने आयुर्वेद की उपयोगिता समझते हुए इसे स्वीकार किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में बीएएमएस के नवप्रवेशित व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

नवागंतुक विद्यार्थी परिचय एवं संवाद

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में आयुर्वेद कॉलेज के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति परम् पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज जी के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन 15 फरवरी, 2023 को विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जी ने कहा कि विश्व की सबसे पुरातन चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद प्राचीनकाल से ही हमारे जीवन का हिस्सा रहा है। चराचर विश्व ने पुनः इसकी महत्ता व उपयोगिता को आत्मसात किया है। कृषि को आयुर्वेद से जोड़कर कई नए कार्य प्रारंभ किए जा सकते हैं। आज आयुर्वेद के क्षेत्र में तमाम स्टार्टअप इंतजार कर रहे हैं। इसी क्रम में सभी विद्यार्थियों से सहजता से परिचय प्राप्त करने के बाद उन्होंने ने कहा कि बीएएमएस के विद्यार्थी आयुर्वेद के साथ योग व नेचुरोपैथी की भी दक्षता प्राप्त करें। आयुर्वेद हानिरहित वैदिक चिकित्सा पद्धति है। कोरोना काल से ही दुनिया आयुष के पीछे भाग रही है। कोरोना संकट में दुनिया के लोगों ने हल्दी का सेवन शुरू किया जबकि हल्दी प्राचीनकाल से ही भारतीय भोजन परम्परा का हिस्सा है। यह हमारी भोजनालय का अभिन्न तत्व रहा है।

उन्होंने कहा कि जीवन में कुछ भी आसान या कठिन नहीं होता। हमारी सोच व हमारे प्रयास से किसी काम को कठिन या आसान बनाते हैंम हमें सफलता सकारात्मक सोच से ही मिलेगी। निराशाजनक सोच सफलता में बाधक होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमेशा लीक से हटकर कुछ नया करने का प्रयास करिए। बड़ों के प्रति सम्मान का भाव रखते हुए लक्ष्य को ध्यान में रखकर खुद को तैयार करिए। सीएम योगी ने कहा कि ईश्वर ने हम सबको बनाया है लेकिन सब की आकृतियां व बुद्धिमत्ता एक समान नहीं होती। हमारे फिंगरप्रिंट तक एक दूसरे से अलग होते हैं। इन सबके बावजूद मनुष्य एक समुदाय में रहता है और इसीलिए वह ब्रह्मांड पर विजय प्राप्त करता है। बीएएमएस के नवप्रवेशी छात्रों को प्रेरित करते हुए कुलाधिपति ने कहा, ऋषि परंपरा की थाती आयुर्वेद के ग्रंथों का अध्ययन अवश्य करें। पढ़ाई पूरी करने के बाद उनके सामने कई अवसर होंगे। वह चाहे तो एक विशेषज्ञ चिकित्सक के रूप में नौकरी कर सकते हैं या स्टार्टअप आदि से अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। आयुर्वेद के साथ योग व नेचुरोपैथी को जोड़कर वेलनेस सेंटर स्थापित कर सकते हैं। आयुर्वेद में अवसरों की कोई कमी नहीं है और खुद का कार्य शुरू कर आप बड़े पैमाने पर लोगों को रोजगार भी दे सकते हैं।

इस अवसर पर मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या एवं समस्त शिक्षक व विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

पुस्तक विमोचन

दिनांकः **15 फरवरी, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के आयुर्वेद संकाय में रसशास्त्र के आचार्य प्रो. रामचंद्र रेड्डी की पुस्तक **'योगरत्नाकर'** का विमोचन विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति परम् पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज व विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थी **'परिचय एवं संवाद'** समारोह के अवसर पर किया गया।

कम्प्यूटर लैब लोकार्पण

विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति द्वारा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में डिजिटल लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब एवं ऑनलाइन एग्जाम सेंटर का लोकार्पण किया गया तत्पश्चात् नवनिर्मित डिजिटल लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब, ऑनलाइन एग्जाम सेंटर, छात्रावास एवं निर्माणधीन परिसरों की कार्यप्रगति का जायजा लेते हुए इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित प्रभारियों से प्राप्त की तथा साथ ही साथ विभिन्न पहलुओं पर विश्वविद्यालय प्रशासन को संज्ञान लेने हेतु दिशा–निर्देश दिए।

शिक्षक-अभिभावक संवाद

दिनांकः 15 फरवरी, 2023 को आयुर्वेद कॉलेज में नवप्रवेशित बीएएमएस के विद्यार्थियों के अभिभावकों संग अभिविन्यास समारोह के द्वितीय सत्र में संवाद स्थापित करते डॉ. विनम्र शर्मा।

प्री-टेस्ट

दिनांकः 15 फरवरी, 2023 को आयुर्वेद कॉलेज में अभिविन्यास समारोह के तृतीय सत्र में नवप्रवेशित बीएएमएस के विद्यार्थियों का प्री–टेस्ट कराते हुए डॉ. सुमित कुमार एम.।

द्वितीय दिवस

अभिविन्यास समारोह

दिनांकः 16 फरवरी, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के द्वितीय दिन अतिथि व्याख्यान हेतु डॉ. सी. के. राजपूत, परीक्षा नियंत्रक, महायोगी गुरू गोरक्षनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने नये आगन्तुक विद्यार्थियों को आयुर्वेद एवं अन्य चिकित्सा पद्धति का प्राथमिक स्वास्य पर योगदान विषय पर सम्बोधित किया। डॉ. राजपूत ने विद्यार्थियों को कहा कि आप भविष्य के चिकित्सक है। शास्त्र का अध्ययन एवं उसका स्पष्ट अर्थ ज्ञान और उस ज्ञान का सही युक्ति पूर्वक प्रयोग और उसका व्यवहारिक अनुभव इन गुणों के साथ आप श्रेष्ठ चिकित्सक बन सकते है। चिकित्सक को रोगी की पूर्ण जानकारी जैसे पारिवारिक, आहार सम्बन्धित, औषध सम्बन्धित आदि रोगी से जान कर चिकित्सा कार्य में लगना चाहिए तभी आप चिकित्सा में सफलता प्राप्त कर सकते है। प्रत्येक रोगी की प्रकृति अलग–अलग होती है, अतः उसका उपचार भी अलग–अलग होता है। अतः चिकित्सक सम्बन्धित सभी विकल्पों को ध्यान में रखकर उपचार करने वाला श्रेष्ठ चिकित्सक होता है। इस अवसर पर आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. मन्जूनाथ एन. एस., डॉ. मिनी, डॉ. पियूष, डॉ. प्रज्ञा, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. सर्वभौम एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

परिसर भ्रमण

दिनांकः 16 फरवरी, 2023 को आयुर्वेद कॉलेज में नवप्रवेशित बीएएमएस के विद्यार्थियों को कैंपस भ्रमण के दौरान आयुर्वेद कॉलेज के विभिन्न अध्ययन कक्ष, कम्प्यूटर लैब व प्रयोगशालाओं की जानकारी देते शिक्षक व अग्रज विद्यार्थी।

तृतीय दिवस
अभिविन्यास समारोह

दिनांकः 17 फरवरी, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के तृतीय दिन के प्रथम सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बीएएमएस के नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन में कुछ ज्ञान अर्जित करना है तो प्रश्न करना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यह शिक्षा का और जीवन जीने का मूल आधार है। प्रश्नों के आधार पर अपने विवेक तर्क संगत बनाये अतः प्रश्न करना चाहिए। हम/मै कौन हुँ, कहाँ से आया हुँ, क्यों आया हुँ, कहाँ जाना है, और जाने का क्या मार्ग है। इन पाँचों प्रश्नों का उत्तर ही हमारा जीवन है और यही प्रश्न हमारा जीवन उद्धेश्य निर्धारित करते है। अतः इन पाँचों प्रश्नों के उत्तर ढूढने चाहिए। इसके साथ – साथ हम जिस संस्था में अध्ययन हेतु प्रवेश लिए हैं उसके प्रति अपने दायित्वों को भलि–भांति जानकर उचित व ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करना चाहिए। जिससे संस्था की परिसर संस्कृति को विकसित व सृजित किया जा सके। इस परिसर में आप अगले पांच वर्षों तक सबसे अधिक समय व्यतीत करेंगे। अतः आप इसे अपना परिवार मानकर परिवार के सदस्य के रूप में अपना उत्कृष्ट आचरण व व्यवहार अपनाकर अध्ययन अर्जित करते हुए अपना समग्र उत्थान सुनिश्चत करें। इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षकों व विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

तृतीय दिवस
अभिविन्यास समारोह

अभिविन्यास समरोह के तृतीय दिवस के द्वितीय सत्र में डॉ. वी.एन. जोशी, विभागाध्यक्ष द्रव्यगुण विभाग ने कहा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति विषय पर नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। इसी क्रम में तृतीय सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी ने विद्यार्थियों के साथ पारस्परिक विचार–विमर्श स्थापित किया तथा विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बीएएमएस पाठ्यक्रम के लिए भगवान ने आपको चुना है अतः बिना हतोत्साहित हुए आयुर्वेद पाठ्यक्रम को अपने जीवन का हिस्सा मानकर इसे पूर्ण मन से अपने आपको समर्पित करें तभी आप सफलता की नई उँचाईयों को छू सकेगें। वर्तमान समय में आयुर्वेद में नित अवसर बढ़ रहें हैं। आयुर्वेद का व्यवसाय वर्ष 2020 से 18 बिलियन डॉलर से बढ़कर आज के दौर में 23 बिलियन डॉलर का लक्ष्य छू रहा है अतः आप निरन्तर अध्ययनरत रहकर एवं सामूहिक तर्क करके अपना ज्ञान की वृद्धि करें। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के समस्त शिक्षकों सहित नवप्रवेशित विद्यार्थी मुख्य रूप से उपस्थित रहें।

अभिविन्यास समारोह के तृतीय दिवस के चतुर्थ सत्र में अतिथि वक्ता डॉ. राजकिशोर सिंह, बीआरडी, मेडिकल कालेज गोरखपुर ने **'आधुनिक चिकित्सा पद्धति एवं समकालिन चिकित्सा पद्धति का परिचय'** विषय उद्बोधन दिया। कोरोना काल के समय का अपना अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा करते हुए उन्होंने कहा कि सत्य, आत्मविश्वास एवं अपने कर्तव्यों का पालन करना हम सभी चिकित्सकों के जीवन का मूल मंत्र होना चाहिए। उन्होने कहा आधुनिक चिकित्सा पद्धति में साक्ष्य आधारित सिद्धान्तों का प्रयोग कर अनेक शोधों के उपरान्त उपचार की नवीन प्रक्रियाओं को स्थापित किया जाता है। उन्होने विद्यार्थियों को शोध के विशिष्ट सिद्धान्तों पर अपने ज्ञान को केन्द्रित करने को कहा तथा चिकित्सा सूत्रों पर अनुसंधान व साक्ष्य आधारित अभ्यास से ज्ञान को एकीकृत करना चाहिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ.. मन्जूनाथ एन. एस., डॉ. मिनी, डॉ. पियूष, डॉ. प्रज्ञा, डॉ. सर्वभौम, डॉ. विनम्र शर्मा व बीएएसएम के नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहें।

चतुर्थ दिवस

अभिविन्यास समारोह

दिनांकः 18 फरवरी, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के चतुर्थ दिन के प्रथम सत्र में आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने संस्कृत भारतीय द्वारा 15 दिवसीय संस्कृत संभाषण पाठ्क्रम वदतु संस्कृतम प्रायोगिक कक्षा के आज के कार्यशाला में सभी विद्यार्थियों को गीत, अभिनय, संस्कृत क्रीड़ा और पीपीटी के माध्यम से खेल–खेल में उत्साहपूर्वक संस्कृत बोलना सिखाया।

शिष्योपनयन संस्कार

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, के प्रांगण में शिष्योपनयन कार्यक्रम को आयोजन किया गया। शिष्योपनयन का वर्णन प्राचीन चरक संहिता में मिलता है। अतः उसी परम्परा के अन्तर्गत एवं महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर गौरी गणेश, धनवंतरि पूजा, श्री गोरखनाथ पूजा, हवन एवं विष्णुस्त्रोतम् का पाठ कराया गया। साथ ही चरक संहिता में वर्णित शिष्य और वैद्य के कर्तव्यरूपी वचन चरक शपथ दिलाया गया एवं रक्षासूत्र बंधन कर सभी आयुर्वेद विद्यार्थियों से एक सच्चे वैद्य और शिष्य के कर्तव्यों कों अंगीकार कर समाज की सेवा करने का संकल्प कराया गया।

कार्यक्रम के तृतीय सत्र में डॉ. अविनाश सिंह, सहायक आचार्य, कम्प्यूटर साइंस ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा हमेशा से एक अहम मुद्दा रहा है। बीते वर्षों में उनके खिलाफ होने वाले अपराधों में कमी आने की जगह बढोत्तरी हुई है। ऐसे में उनकी सुरक्षा करना और भी जरूरी हो जाता है।

अतः इस दिशा में कई तरह के सुरक्षा ऐप्स जीपीएस ट्रैकिंग, इमरजेंसी कॉन्टेक्ट नंबर्स एवं करेन्ट परिदृश्य आदि मोबाइल फोन में सहजता से उपयोग किए जा रहें है। इससे अपराध नियंत्रण में काफी हद तक सफलता प्राप्त हुई है।

चतुर्थ दिवस
अभिविन्यास समारोह

कार्यक्रम के चतुर्थ चरण में अतिथि वक्ता डॉ. जी. एन. सिंह पूर्व औषधी नियंत्रक एवं मुख्यमंत्री सलाहकार उत्तर प्रदेश सरकार ने नए भारत और उगते उत्तर प्रदेश के दौर में छात्रों द्वारा प्रथम विकल्प में गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, का चयन करने के लिए बधाई दिया, जो शिक्षा और आचरण के क्षेत्र में सर्वोपरी है। नवांगन्तुक छात्राओं की अधिक संख्या देखकर नारी शक्ति को विशेष दर्जा देने का माननीय मुख्यमंत्री का सपना साकार होते हुए दिखा। शिष्योपनयन कार्यक्रम में गुरु शिष्य परम्परा का अनुसरण करने के लिए प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थियों की सराहना की। 21वीं शताब्दी के भारत में आयुष महानतम योगदान देने जा रहा है, और भारत स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र विश्वगुरू बनेगा। आयुर्वेद के छात्रों से यह अपेक्षा रखतें है कि पूरे विश्व में आयुर्वेद का परचम बढ़ाये। मानव जीवन में स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है जिसका माध्यम भविष्य में आयुर्वेद रहेगा। जानकारी देते हुए बताया कि यू. पी. जी.आई.एस.–2023, उत्तर प्रदेश में 33.5 लाख करोड़ का निवेश हुआ जिससे हर जिले में रोजगार की सम्भावनायें बढ़ेगीं, और छात्रों से इसमें अपना योगदान देने की प्रेरणा दी।

पंचम दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के पंचम दिवस 19 फरवरी, 2023 के प्रथम सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे जीवन में आने वाली कठिनाईयों को हमें हंसते–हंसते स्वीकार कर उससे पार पाने का हर संभव प्रयास करना चाहिए तथा उस कठिनाई को एक अवसर के रूप में ग्रहण करना चाहिए।

पंचम दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के पंचम दिवस 19 फरवरी, 2023 के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. डॉ. आनन्द राम शर्मा, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने वर्तमान में आयुर्वेद अनुसंधान एवं कार्यप्रणाली विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि आयुर्वेद स्वास्थ्य और व्यक्तिगत चिकित्सा के लिए समग्र दृष्टिकोण के साथ जीवन का विज्ञान है।

आयुर्वेद विधा सबसे पुरानी चिकित्सा प्रणालियों में से एक है, जिसमें हजारों चिकित्सा अवधारणाएं और परिकल्पनाएं शामिल है। आयुष चिकित्सा को आम लोगों तक पहुँचाने के लिए 2023–24 में आयुष का बजट 3647 करोड़ रूपये आवंटित किया गया है।

उन्होंने ने आगे कहा कि हाल ही में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के आयुष और स्वास्थ्य परिवार कल्याण दोनों मंत्रालय को एकीकृत करने के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए सफदरगंज अस्पताल नई दिल्ली में एकीकृत चिकित्सा केन्द्र का उद्घाटन किया गया है, जो दिखाता है कि आपके लिए इस क्षेत्र में कार्य करने की सम्भावनाएं बढ़ रही हैं। दवा का भविष्य एकीकरण में निहित है।

हमनें कोविड–19 महावारी के खिलाफ आयुष दवाओ के महत्वपूर्ण चिकित्सीय और निवारक प्रभाव को देखा है।

आयुर्वेद में वर्णित पंचकर्म शोधन प्रक्रिया के द्वारा समय– समय पर शारीरिक शोधन कराकर इस तरह की महामारी के प्रभाव से बचा जा सकता है। हम आजकल गलत खान–पान के कारण रोग से ग्रसित हो जाते है अतः जरूरत है उन चीजों को खाने की जिनसे हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहे, इस दिशा में वर्ल्ड अश्वगंधा काउंसिल की स्थापना की गयी है, इसमें अश्वगंधा के फायदे और पुरे विश्व में अश्वगंधा के प्रचार–प्रसार के लिए विचार विमर्श किया जा रहा है। अश्वगंधा एक जड़ी बूटी है जो पोषक तत्वों से भरपूर है। इसके साथ ही डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों के समग्र विभिन्न रोगों के लक्षण एवं चिकित्सा का अनुभव साझा किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य, डॉ. मंजूनाथ एन. सहित कालेज के सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दी।

इसी क्रम में द्वितीय सत्र में आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय जी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संस्कृति भाषा का अभ्यास व उसके आयुर्वेदिक महत्व के बारे में बताया।

पंचम दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के पंचम दिवस **19 फरवरी, 2023** के तृतीय सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में लेफ्टिनेन्ट जनरल दुष्यंत सिंह (सेवा निवृत्त) ने भावनात्मक बुद्धिमता पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भावनात्मक बुद्धिमता और बौद्धिक गुणक की तुलना में अधिक मायनें रखती है। एक अच्छी बौद्धिक गुणक वाला व्यक्ति अच्छी सफलता प्राप्त कर सकता है, तथा इसके साथ ही उस व्यक्ति के अन्दर भावनात्मक समझ का होना भी अत्यन्त जरूरी है।

अच्छी भावनात्मक समझ रखने वाला व्यक्ति कभी भी क्रोध और खुशी के अतिरेक में आकर अनुचित कदम नही उठाता है। जिनकी भावनात्मक बुद्धिमता ज्यादा होती है वे बदलते पर्यावरण के साथ–साथ जल्दी व्यवस्थित हो जाते है, और इसलिए उनकी सफलता की सम्भावनाएं भी बढ़ जाती है ऐसी बुद्धिमता वाले लोग सिर्फ तथ्य नहीं देखतें बल्कि भावनाओं की भी कद्र करतें है।

उन्होंने आगे अपने सम्बोधन में कहा कि भावनात्मक बुद्धिमता और बौद्धिक गुणक के बारे में सबसे पहले डेनियल गोलमेन ने बताया था कि जीवन में 20 प्रतिशत सफलता बौद्धिक गुणक से और 80 प्रतिशत सफलता भावनात्मक बुद्धिमता के कारण प्राप्त होती है।

लेफ्टिनेन्ट जनरल ने बताया कि भावनात्मक बुद्धिमता बढ़ाने के लिए स्वजागरूकता, मोटिवेशन, सहानुभूति के साथ–साथ स्वअनुशासन ये चार बातें अहम भूमिका निभाती है। इसको अचानक तेजी से बढ़ाया नहीं जा सकता है, आप अपनी सोच, कामकाज के तरीके और लोगों के प्रति अपने नजरिये में बदलाव लाकर इसे बढ़ा सकते है। इस सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपई जी ने की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य, डॉ. मंजूनाथ एन.एस. सहित कालेज के सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहें।

कार्यक्रम के चतुर्थ सत्र में डॉ. अविनाश सिंह जी द्वारा नवप्रेवेशित विद्यार्थियों को एम.एस. ऑफिस के विभिन्न प्रयोगों एवं उनके उपयोग की जानकारी दी।

षष्टम दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के षष्टम दिवस 20 **फरवरी**, 2023 के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. वैदुर्य प्रताप शाही विभागाध्यक्ष, जेनेटिक्स एवं प्लांट ब्राडिंग सैम हिगिनबाटम कृषि प्रोधोगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 'औषधीय पौधोंकी पहचानः संस्कृत ग्रन्थों से न्यूक्लियोटाइड्स तक की यात्रा' विषय पर व्याख्यान देते हुए विद्यार्थियों को बताया कि गरीबी की वजह से बहुत से लोग तीन समय का आहार भी ग्रहण नही कर पाते अतः कुपोषण का शिकार हो जाते है। शरीर के प्रत्येक अंगों को स्वस्थ्य रखने के लिए हर तरह के पोषक तत्वों से भरपूर आहार का सेवन जरूरी होता है। सुरक्षित, किफायती और समाज के हर एक तबके की पहुँच में आये ऐसे स्मार्ट फूड को नियमित आहार में शामिल करने की आवश्यकता है। स्मार्ट फूड से हमें विटामिन, मिनरल एवं अन्य पोषक तत्वों के साथ ही एन्टीआक्सिडेन्ट और फलवेंनाइड जैसे अतिरिक्त पोषक तत्वों से भरपूर होता है। ये प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर बीमारियों से आपकी रक्षा करता है और अतिरिक्त जीवन देता है। सुपर फूड्स को पोषक तत्वों का पावरहाउस माना जाता है। ऐसे ही एक बहुउपयोगी पेड़ 'मोरिंगा ओलिफेरा' जिसे हिन्दी में सहजन, मुनगा कहते है। अनेकानेक पोषक तत्वों से भरपूर है। जर्मनी में से सुपर फ्रूड कहते है। क्योंकि इसमें पालक से 25 गुना ज्यादा आयरन तत्व, केल से 15 गुना ज्यादा पोटैशियम तत्व, अण्डे से 1.5 गुना ज्यादा ऐमिनोएसिड, दूध से 17 गुना ज्यादा कैल्सियम होता है। इसकी 13 प्रजाति है जिसके 2 प्रजाति भारत में पायी जाती है। ये हमारे संस्कृत ग्रंथो में वर्णित है ये कफ पित्त दोष को शान्त करने व भूख को बढ़ाने, प्लीहा रोग नाशक,नेत्र विकार में अत्यन्त हितकारी है। इसका उपयोग जल को स्वच्छ करने और हाथ की सफाई के लिए भी किया जाता है। जर्मनी, अफ्रीका, यूरोप आदि देशों में इसकी गुणवत्ता को जानकर इसका बहुतायत से प्रयोग हो रहा है। इसके लिए आप आयुर्वेद के विद्यार्थियों को आगे आना होगा आप अपने संहिताओ में वर्णिक औषधि पौधों का अध्ययन करे। साथ में अपने आस–पास के लोगों को इनके गुणों के बारे में जानकारी दे। किसानों को इस तरह के सुपर फूड की खेती करने के लिये प्रेरित करना चाहिए जिससे कि उनकी आय भी बढ़े और उन पदार्थो की आपूर्ति हो। हमारे प्राचीन ऋषियों ने गजाआयुर्वेद, वृक्षाआयुर्वेद, अश्वआयुर्वेद अनेक महत्वपूर्ण औषधीय पौधों का वर्णन मिलता है। जर्मनी आदि युरोपिय देश हमारे साहित्य का अध्ययन कर उसमें वर्णित तथ्यों को अपना रहें है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य, डॉ. मंजूनाथ एन. एस. सहित कालेज के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

षष्टम दिवस

अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के षष्टम दिवस **20 फरवरी, 2023** के तृतीय सत्र में मुख्य वक्ता परमेश्वरप्पा शिवप्पा ब्याडगे एसोसिएट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष विकृति विज्ञान संकाय आयुर्वेद इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी ने कहा की जो आयु का ज्ञान कराए वो आयुर्वेद है, बीमारी को ध्यान में रखकर भोजन करना चाहिए, ऋतु के अनुसार भोजन करना चाहिए। आहार विहार का ध्यान रखाना चाहिए इनके अनियमितता से रोग होते हैं। वैद्य को किसी अन्य विधा से अपने को तुलना नहीं करना चाहिए। अपनी विशेषज्ञता अपने आयुर्वेद के जानकारी में बढ़ाना चाहिए। आयुर्वेद का जानकार वैद्य भी अल्ट्रासाउंड, एक्स–रे आदि चेकअप यदि कराना आवश्यक है तो लिख सकता है। कौन मना किया है। पथ्य अपथ्य भोज्य पदार्थ की जानकारी वैद्य को होनी चाहिए। रात को अधिक नहीं जागना चाहिए, इससे वात बढ़ता है और शरीर में शुष्कता आती है और स्मरण शक्ति घटती है। विद्यार्थियों को अभी से घी संरक्षण करने के लिए कहा पूराना घी औषधि समान होता है। पूराने घी का प्रयोग शोध कार्य में भी विद्यार्थी कर सकतें है, आयुर्वेद क्षेत्र में शोध आवश्यक है। आप सभी विद्यार्थियों को अभी अभी से अपना लक्ष्य बनाना चाहिए आपको आयुर्वेद के किस क्षेत्र का विशेषज्ञ बनना है, वैसा आपको प्रयास करना चाहिए, आयुर्वेदिक चिकित्सा में रस औषधियो के प्रयोग से शीघ्र परिणाम में मिलता है। जो एलोपेथ चिकित्सा से अच्छा हैद्य कोविद के समय आयुर्वेद के प्रति लोगो का रुझान बढ़ा है, कोविड के समय अधिकांश मरीज समय से उचित इलाज ना मिलने से मरे। किसी भी चिकित्सा पद्धति भाषा संस्कृति के बढ़ने के लिए राज्याश्रय अवश्यक है। जो अब मिल रहा है। जितना मिलना चाहिए उतना है अभी नहीं है। लेकिन हमें सतत प्रयास करना चाहिए। भावी पीढ़ी आ ही हो आप को कठिन परिश्रम करना चाहिए। आयुर्वेद के महत्वपूर्ण पुस्तकों के बारे में बताया।

इस अवसर पर आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एन. एस. सहित कालेज के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

षष्टम दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या के षष्टम दिवस के द्वितीय सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी ने विद्यार्थियों को परिसर संस्कृति से अवगत कराया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हम जहां भी रहें वहां की संस्कृति को ठीक बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए न कि उसे ध्वस्त करने का। आप जैसा जीवन अपने लिए चाहते हैं ठीक वैसा ही जीवन दूसरों के लिए भी होना चाहिए और प्रयास करना चाहिए कि हमारी वजह से किसी को कोई भी परेशानी न हों। अगर आप अपने जीवन में इतना ही कर लेते है तो आप एक श्रेष्ठ मनुष्य हैं।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के षष्टम दिवस के चतुर्थ सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. सुरेखा किशोर, कार्यकारी निदेशक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान गोरखपुर ने बेसिक लाइफ सपोर्ट एण्ड फर्स्ट एड विषय पर वर्चुअल व्याख्यान देते हुए कहा कि अगर कोई हादसे में घायल हो जाये या चलते चलते सड़क पर बेहोश होकर गिर जाये तो किसी भी व्यक्ति का प्रथम कर्तव्य उसकी सहायता होना चाहिए। इसके लिए बेसिक लाइफ सपोर्ट का ज्ञान होना जरूरी है जो लोगों को अस्पताल पंहुचने से पहले या उस स्थिति में दी जाती है, जहाँ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं होती है। ऐसे में उसकी नब्ज देखें, गर्दन की नाड़ी, नाक पर हाथ लगाकर देखें की उसकी सांसे चल रही हैं। इसके बाद उसकी छाती खत्म होने व पेट शुरू होने वाली जगह पर अपने एक हाथ की हथेली पर दुसरे हाथ को रखकर उसे प्रेस करें। एक मिनट में 100 से 120 बार ऐसा करें इसके बाद उसे अस्पताल पहुँचाने की व्यवस्था करें। इस तरीके से हम बहुत से व्यक्तियों के जीवन की रक्षा कर सकतें है। डॉ. किशोर ने कहा कि बुनियादी चिकित्सा सहायता का ज्ञान ज्यादा से ज्यादा लोगों को जानना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार वाजपेई जी ने मुख्य अतिथि का आभार ज्ञापन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज के समस्त शिक्षकों एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

सप्तम दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के सप्तम दिवस **21 फरवरी, 2023** के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. किरण कुमार रेड्डी, शल्य विभाग, सहायक आचार्य, परामर्श चिकित्सक, महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय ने फर्स्ट एड विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि प्राथमिक उपचार का उपयोग किसी भी घायल या बीमार व्यक्ति को अस्पताल तक पहुँचाने से पहले उसकी जान बचाने के लिए करते है। इसका उद्धेश्य स्वास्थ्य के सुधार में बढ़ावा देना है। प्राथमिक चिकित्सा में डी.आर.ए.बी.सी.डी.एस (डी–डेंजर, आर – रिस्पांस, ए–एयरवे, बी–ब्रीदिंग, सी–सर्कुलेशन, डी– डीफिब्रिलेशन, सी–शॉक मैनेजमेंट) ये सात चरण है। फर्स्ट ऐड के दौरान आपको इस बात का भी पूरा ध्यान रखना चाहिए कि आपको घायल व्यक्ति से किसी भी प्रकार का इन्फेक्शन न हो और आपसे भी किसी प्रकार का इन्फेक्शन उस घायल व्यक्ति को ना हो, इसलिए अच्छे से हाथों को धोयें और दस्तानों का उपयोग करें। प्राथमिक उपचार करने वाला व्यक्ति विवेकी, व्यवहारकुशल, युक्तिपूर्ण, निपूण, सहानुभूतियुक्त आदि से गुण युक्त होना चाहिए। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य, डॉ. मंजूनाथ एन. एस, सहित कालेज के सभी शिक्षक, व विद्यार्थी रहें।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के सप्तम दिवस के द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में प्रो. डॉ. एच.एच. अवस्थी, रचना शारीर विभाग, बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय (आयुर्वेद संकाय) ने कैसे जीवन में लक्ष्य निर्धारित करें इस विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा अगर आपको कहीं जाना है और आप यह नहीं जानते की कहाँ जाना है तो आप मार्ग भ्रमित हो जायेंगे इसलिए लक्ष्य निर्धारित करना अत्यन्त आवश्यक है। लेकिन लक्ष्य निर्धारित करने के लिए जिस क्षेत्र में आपकी रूचि हो उस विषय को चुनकर सही योजना के साथ, सही दिशा में, लक्ष्य को छोटे–छोटे हिस्सों में बांटकर, आत्मविश्वास, तीव्र इच्छा शक्ति आदि गुणों के साथ लक्ष्य निर्धारित करें। लक्ष्य निर्धारण से जीवन में एक दिशा मिलती है उसी के अनुसार हम जीवन में आगे बढ़ सकतें है। आप चिकित्सक बनने आयें हैं अतः आपको शारीर रचना विज्ञान का ज्ञान आवश्यक है। मानव शरीर के विभिन्न हिस्सों की संरचना, आकार और स्थान का ज्ञान प्राप्त कर चिकित्सा में सफलता प्राप्त कर सकतें है। धर्म, अर्थ, काम इन पुरूषार्थ की प्राप्ति का साधन शरीर है और इसका मूल्य आरोग्य है। आयुर्वेद के क्षेत्र में रोजगार के बहुत से विकल्प हैं, जैसे परामर्श चिकित्सक, शोधकर्ता, शिक्षक, औषधि निर्माणकर्ता आदि क्षेत्रों में अपनी रूची के अनुसार आगे बढ़कर खुद भी रोजगार प्राप्त कर सकते है साथ ही और लोगों को भी रोजगार दे सकतें है। लक्ष्य निर्धारण में आपका मार्गदर्शन आपके माता–पिता, आपके गुरू करतें है पर परिश्रम आप को ही करना होगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य, डॉ. मंजूनाथ एन. एस, सहित कालेज के सभी शिक्षक, एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

सप्तम दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के सप्तम दिवस के तृतीय सत्र में 'वदतु संस्कृतम्' के कार्यशाला में सह–आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के सप्तम दिवस के चतुर्थ सत्र में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम जैसे–गीत गायन, भाषण, नाटक, कविता आदि की प्रस्तुति की गई।

अष्टम दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या के अष्टम दिवस **22 फरवरी, 2023** के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने संवाद–भारतीय संस्कृति और अपना आरोग्य धाम विषय पर बोलने से पहले विद्यार्थियों के प्रश्नों को सुनने के बाद उनका समाधान किया। विद्यार्थियों के प्रश्न बहुत ही जिज्ञासा से परिपूर्ण थें। उन्होने कहा कि

किसी भी संस्था को चलाने के लिए प्रबन्ध तंत्र को अर्थ की आवश्यकता होती है। बिना धन के ये जो आप देख रहे है इतना बड़ा इन्फ्रास्टैक्चर, पुस्तकालय, स्मार्ट डिजिटल बोर्ड, प्रोजेक्टर युक्त, वातानुकुलित कक्षाएं सम्भव नहीं हो सकती है। हम ये सभी सुविधायें निःशुल्क भी दे सकते है लेकिन निःशुल्क सुविधायें प्राप्त करने से व्यक्ति में अति महत्वकांक्षा और अकर्मणता को बढ़ावा देता है। समाज का भी शिक्षा चिकित्सा सुविधाओं को प्रदान करने के लिए उत्तरदायित्व होना चाहिए तभी वह उसका महत्व समझता है। प्राचीन काल से यह गुरूकुल परम्परा भारत में रही है। उस समय का भी समाज गुरूकुलों की व्यवस्था सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की जा सके इसके लिए तन–मन–धन से प्रयास करता था। आज वही शुल्क के रूप में प्रबंध तंत्र धन लेता है। आवश्यक यह है उस धन का विद्यार्थियों के हित में प्रयोग किया जाये। यह कार्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से जुड़ी सभी संस्थायें निःस्वार्थ भाव से कर रही है।

अष्टम दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के अष्टम दिवस 22 **फरवरी, 2023** के द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती शीलम वाजपेई, परियोजना एवं प्रशासनिक निदेशक समाधान अभियान, एन.जी.ओ, गोरखपुर ने लैंगिक संवेदनशीलता विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि लैंगिक संवेदन शीलता एक ऐसा विषय है जिस पर हमारा समाज खुलकर बहस करने से कतराता है। घर पर माता–पिता हो या विद्यालय में शिक्षक इस विषय पर बात करने में हिचकिचाते है जो की गलत है।

आज जरूरत है इस पर खुलकर बात करने की। लैंगिक संवेदन शीलता का अर्थ है हर लिंग चाहे वो पुरुष हो, महिला हो या उभयलिंगि प्रत्येक लिंग का दूसरे लिंग के प्रति सम्मान का भाव रखना। महिला और पुरुष के मध्य एक ऐसा वातावरण तैयार करना जिसमें प्रत्येक के अधिकार सुरक्षित रहें है। हम ऐसे समाज में जीते है जहाँ हमें बचपन से एहसास कराया जाता है कि तुम लड़के हो तुम रो नहीं सकते तुम्हें घर चलाना है, वहीं लड़कियों को केवल घर के कामकाज करने तक सीमित कर दिया गया है। यहाँ तक की घर की महिला सदस्यों को पुरुषों के बाद खाने के लिए मजबूर किया जाता है। हमें इस अवधारणा से बाहर निकलना है।

प्रकृति ने महिला एवं पुरुष को एक समान बनाया है। हमें अपने घरों में लिंग समानता के मूल्यों पर ध्यान देना चाहिए। इस असमानता को दूर करने में शिक्षा एक महत्वपूर्ण माध्यम है शिक्षा के माध्यम से जड़तावादी दृष्टिकोण एवं स्त्रियों के शोषण समाज में समग्रता एवं भावात्मक एकता का वातावरण बना सकतें है।

इस अवसर पर आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य सहित सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के अष्टम दिवस 22 **फरवरी, 2023** के चतुर्थ सत्र में नवआगंतुक विद्यार्थीयों को सह आचार्य डॉ. जशोबन्त दंसाना एवं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री सतीश कुमार ने केन्द्रीय पुस्तकालय का भ्रमण कराया। इसमें डॉ. जशोबन्त ने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से सम्बन्धित पुस्तकों, सन्दर्भ पुस्तकों से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की।

अष्टम दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के अष्टम दिवस के तृतीय सत्र में एनसीआईएसएम द्वारा निर्धारित बीएएमएस 2022–23 के दीक्षा कार्यक्रम में संस्कृत भारती द्वारा पाठ्यक्रम **'वदतु संस्कृतम्'** के कार्यशाला में सह–आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने विद्यार्थियों को गीत, संस्कृत क्रीड़ा, वाक्य प्रयोग और पीपीटी के माध्यम से बोलना सीख रहे है। आज के सत्र में संस्कृत के तीनों लिंगों और वचनों में शब्दों का ज्ञान कराते हुए संज्ञा और सर्वनाम पदों का एक वचन से बहुवचन पदों में परिवर्तन का ज्ञान एवं वाक्य प्रयोग और अभ्यास कराया। प्रश्नवाचक शब्दों का ज्ञान कराते हुए कहा कि विद्यार्थियों को प्रश्न अवश्य पूछना चाहिए सभी छात्र सप्त ककारा जैसे किम्? कुत्र? कति? आदि पदों का प्रयोग करते हुए संस्कृत में पूछना जाना और आनन्द से संस्कृत बोलना सीखा।

नवम दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के नवम दिवस **23 फरवरी, 2023** के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने आज के शिक्षा परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में आयी है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से जुड़ी सस्थाओं में 2005 से ही उसी आधार पर कार्य हो रहा है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद किसी आर्थिक उद्धेश्य से कार्य नहीं करती है ये लोककल्याणर्थ कार्य करती है। हमारी संस्था ने शिक्षा एवं चिकित्सा को उपासन का हिस्सा माना है। समाज में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय एवं आयुर्वेद कॉलेज को प्रतिमान के रूप में स्थापित करने के लिए तीन क्षेत्रों में कार्य करना है– अवस्थापना सम्बन्धित सुविधाएं, पठन–पाठन की गुणवत्ता, परिसर संस्कृति। परिसर संस्कृति के द्वारा हम अपने आपको विशिष्ट बना सकते है। राष्ट्रीय शिक्षानीति एवं हमारे विश्वविद्यालय का लक्ष्य है कि देश के युवाओं को श्रेष्ट एवं योग्य विश्व नागरिक बनाना है। इस अवसर पर आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य सहित सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में डॉ. विनम्र शर्मा ने आयुर्वेद एवं आयुर्वेदिक औषधियों के प्राचीन एवं आधुनिक परिवेश को विद्यार्थियों को बताया। उन्होंने अपने उद्बोधन में वैदिक समय से लेकर संहिता काल व वर्तमान समय में प्रयोग होने वाली औषधियों के क्रमिक विकास, स्वरूप एवं उपयोगिता के बारे में बताया साथ ही समयानुसार आयुर्वेदिक औषधियों के रूप व प्रयोग में बदलाव को जरूरी बताया। विद्यार्थियों ने इस सत्र को प्रासंगिक बनाते हुए शोध को महत्व को स्वीकारा। डॉ. शर्मा ने एवं पेटेंट व प्रोप्रेटरी औषधियों को बताते हुए शोध की संम्भावना को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य सहित सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

नवम दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के नवम दिवस के तृतीय सत्र में संस्कृत भारती द्वारा पाठ्यक्रम 'वदतु संस्कृतम्' के कार्यशाला में सह–आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने सरल भाषा में बीएएमएस नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संस्कृत बोलना सीखया। आज के वदतु संस्कृतम पाठ्यक्रम में सप्तमी विभक्ति, वासराणा नामानि, अस्ति सन्ति प्रश्नकरणम् पाठ्य बिन्दुओं का गीत, वाक्य प्रयोग कराया।

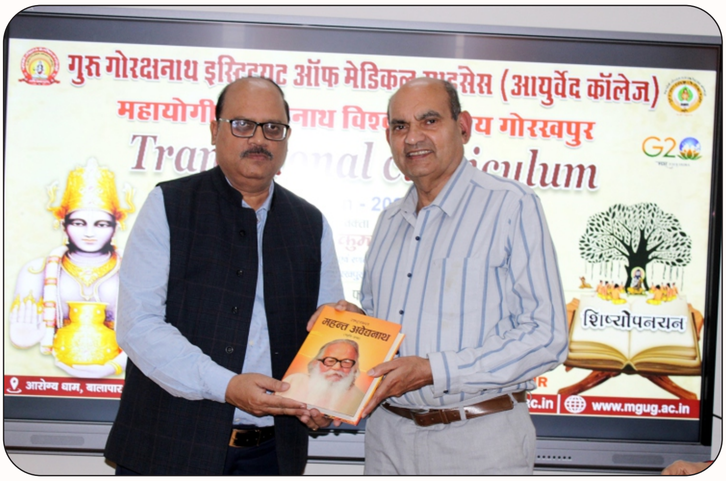

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के नवम दिवस के चतुर्थ सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा विभाध्यक्ष रक्षा रणनीति दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने ग्लोबल इनवेस्टर समिट/जी 20 (ग्रुप ऑफ 20) पर व्याख्यान देते हुए कहा कि जी 20 अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख

मंच है इसकी स्थापना 1999 में एशियाई वित्तीय के बाद की गयी। 2009 में इसे अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग हेतु प्रमुख मंच के रूप में नामित किया गया इस वर्ष 01 दिसम्बर 2022 से 30 नवम्बर 2023 तक भारत जी 20 की अध्यक्षता करेगा। यह पहला ऐसा संगठन है जिसमें विकसित एवं विकासशील देश दोनो को लिया गया है इसमे वैश्विक अर्थव्यवस्था को कैसे आगे बढाया जाए आदि मुददो पर विचार किया जायेगा। भारत की जनसंख्या में युवाओं का महत्वपूर्ण स्थान है अतः देश अपनी अर्थव्यवस्था में क्या–क्या सुधार ला रहा है इसकी समझ आप लोगों को भी होनी चाहिए अपने आप को दुनिया में जिम्मदार नागरिक के रूप में दिखाने का समय है अतः अपने काम एवं विचारों को पूरी दुनिया में पहुचाएं एवं विश्व को सुन्दर बेहतर एवं रहने लायक बनाने में सहयोग करें। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य सहित सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

दशम दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के दशम दिवस **24 फरवरी, 2023** के प्रथम सत्र मे विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी ने विद्यार्थियों को सस्था के अनुशासन संस्कृति के बारें में परिचर्चा की।

द्वितीय सत्र में डॉ. अपर्णा पाठक, सहायक आचार्य मनोविज्ञान विभाग दयानन्द एंगलो वेदिक कालेज सीवान मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि मनोविज्ञान व्यक्ति के व्यवहार का विज्ञान है। मानसिक स्वास्थ्य की वह स्थिति है जिसमें व्यक्ति को अपनी क्षमताओं का एहसास होता है और वो जीवन के तनावों का सामना कर सकता है, लाभकारी और उपयोगी रूप से काम कर समाज में अपना योगदान करने में सक्षम होता है। प्रत्येक व्यक्ति की जन्म जाति प्रकृति होती है कोई मानसिक रूप से दृढ़ तो कोई संवेदनशील होता है। हमें अपने समस्याओं को मनोचिकित्सक से बात कर दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए मनोचिकित्सक बिना स्वार्थ्य के जब तक आप के जीवन को कोइ खतरा ना हो आपके गोपनीय बातों को गुप्त रखता है। अपने मन पर कोई बोझ ना रखे अपने विचारों को नियंत्रित ना करे और अपने लक्ष्यों को छोटे–छोटे टुकड़ों में बाटे, लगातार कोई काम ना कर बीच–बीच में ब्रेक लेकर कार्य करे।

मानसिक रूप से स्वास्थ्य व्यक्ति में आत्मविश्वास, आत्मसम्मान, विचार करने की पूर्णता, बुद्धि विवेक आधार पर कार्य करने की क्षमता, सदैव मन से प्रसन्नता का अनुभव आदि लक्षणों से युक्त होते है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के दशम दिवस के तृतीय सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मुख्य वक्ता डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति का पूर्ण रूप से उद्देश्य व्यक्ति का सर्वागिंण विकास है। 1947 के बाद मात्र कैलेन्डर बदला था और कुछ नही स्वतंत्र और स्वाधीन दोनो शब्दो का मन्तव्य हमें स्पष्ट होना चाहिए। स्व के अधीन हो जाना यह स्वाधीन है और अपने तंत्र नीति के अनुसार चलना यह स्वतन्त्र है। अभी तक हम अंग्रजो के बनाये हुए नियम या उनसे प्रभावित हुए लोगों द्वारा बनाये गये तंत्र के अनुसार संचालित थे। वर्तमान सरकार के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा के नीति के माध्यम से यह प्रयास है कि हम स्वाधीनता की तरफ बढ़े। हम अभी तक आंग्ल भाषा व पाश्चात् संस्कृति को भारतीय संस्कृति और यहां की भाषाओं की अपेक्षा अधिक महत्व देतें है यह मानसिक परतन्त्रता को प्रदर्शित करता है। अपने तन्त्र को प्राप्त करना यह देश की मौलिकता है।

हम आयुर्वेद ज्ञान सहित तमाम शास्त्री ज्ञान विज्ञान को दोयम दर्जे का मान कर चल रहे थे राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उदेश्य

यह है हम प्राचीन विज्ञान को जानते हुए माडर्न चिकित्सा पद्धति को भी जाने जिससे दो पत्ती से 200 लोगो का इलाज कर सकें। आर्युवेद एक कदम आगे की बात करता है। मात्र रोग को ही ठीक करने की बात नही करता है। हम रोगी ही ना हो इसके बारे में भी बताता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में बताते हुए कहा कि मातृभाषा को बढ़ावा देते हुए इसको शिक्षा के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जायेगा। प्रयोग अनुसंधान को बढ़ावा दिया जायेगा। नये नीति के अनुसार डिग्री कोर्स में पहला वर्ष छोड़ने पर प्रमाण पत्र दूसरे वर्श के डिप्लोमा अन्तिम वर्ष पे डिग्री देने का प्रावधान है।

दशम दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के दशम दिवस के चतुर्थ सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. दिनेश सिंह वरिष्ठ परामर्श चिकित्सक गोरखपुर ने संस्थागत अधिकारी और स्वास्थ्य सेवा में उनकी भूमिका विषय पर संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को कहा संस्थागत अधिकारी वह व्यक्ति होता है जो संस्थान के लिए कार्य करने और संस्थान की ओर से कार्य करने के लिए कानूनी रूप से अधिकृत होते हैं। आर्युवेद चिकित्सीय शास्त्र का अध्ययन कर आप शिक्षा के क्षेत्र में, परामर्श चिकित्सक के रूप में, शोधकर्ता और प्रशासनिक अधिकारी के क्षेत्र में जिस क्षेत्र में रूचि है उसमें कार्य कर सकते हैं। शिक्षाविद के रूप में आप सहसहायक आचार्य, सहायक आचार्य, आचार्य और विश्वविद्यालय के कुलपति तक बन सकते हैं। परामर्श चिकित्सा अधिकारी, सरकारी विभाग, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र यहां तक मुख्य चिकित्सा अधिकारी तक बन सकते हैं। इसके लिए आवश्यकता है सतत् अध्ययन की और मेहनत की। डॉ. सिंह ने बताया चिकित्सक में 4 गुण होने चाहिए। वो चिकित्सक कार्य में दक्ष हो, खुद कर्म अभ्यास किया हो या देखा हो, गुरू के बताये ज्ञान को ध्यान लगाकर सुने, कायिक व मानसिक रूप से शुद्ध हो।

इस संदर्भ में रोगी, औषध व परिचारक के भी गुणो का भी शास्त्रों में वर्णन है। श्रेष्ठ चिकित्सक बनने हेतु खुद सतत् अध्ययन करें व अपने रोगी को भी शिक्षित करे। श्रेष्ठ रोगी वो होता है जो वैद्य की आज्ञा का पालन करे। इस अवसर पर आर्युवेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मन्जूनाथ एन.एस., डॉ. प्रज्ञा सिंह, श्री साधवी नन्दन पाण्डेय आदि उपस्थित रहें।

एकादश दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के एकादश दिवस 25 फरवरी, 2023 के चतुर्थ सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. यामिनी त्रिपाठी, चिकित्साधिकारी आनन्द नगर महाराजगंज ने कहा कि हमारे जीवन के चार पुरुषार्थ है धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। इन पुरुषार्थो की प्राप्ति का साधन आरोग्यता है। अतः हमारा प्रथम कर्त्तव्य स्वास्थ्य के प्रति होना चाहिए। आजकल के आधुनिक जीवनशैली में अनुचित आहार–विहार से लाइफ स्टाइल डिस्ऑडर की संख्या बढ़ गई है। पूरे विश्व में 70 प्रतिशत मृत्यु और भारत मे 60 लाख प्रतिवर्ष मृत्यु का कारण लाइफ स्टाइल डिस्ऑडर ही है। इसमें मोटापा, थाइरॉइड, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदयाघात है। आज चार में से एक दम्पत्ति इसी जीवनशैली की वजह से बन्धत्व का शिकार है। आयुर्वेद में भी पहले स्वास्थ्य की रक्षा का वर्णन है। अतः अपनी जीवनशैली को सुधारें, सही समय पर सोएं व उठे, योग करें, मात्रावत आहार ग्रहण करें, विरूद्ध आहार का सेवन न करें और मोटे अनाज का नियमित सेवन करें। इन नियमों का पालन करके आप स्वस्थ रहकर चर्तुविद् पुरुषार्थ की प्राप्ति कर सकते है।

एकादश दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के एकादश दिवस के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. प्रज्ञा सिंह ने आयुर्वेद के मूल सिद्धान्तों एवं संहिताओं के बारे में जानकारी दी एवं आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय ने 'वदतु संस्कृतम्' की कार्यशाला में सरल संस्कृत भाषा में तृतीया विभक्ति के माध्यम से विद्यार्थियों को संस्कृत बोलने का ज्ञान कराया।

द्वादश दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के द्वादश दिवस 26 फरवरी, 2023 के द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. डॉ. बाबूराम त्रिपाठी सम्प्रति निदेशक एकेडमिक, बी,वाई,डी,एस,ए,एम, खुर्जा आयुर्वेद और सम्बद्ध विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि उच्च शिक्षा का मतलब है ऐसे व्यक्ति का निर्माण करना जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से स्वच्छ और प्रबुद्ध हो उच्च शिक्षा से दूरदर्शी बुद्धिमान और बौद्धिक दृष्टि से श्रेष्ठ और ऐसे व्यक्ति तैयार होते है जो समाज सुधार के कार्यों में सहयोग देते है।

उच्च शिक्षा के लिए बेसिक शिक्षा का ज्ञान अत्यन्त आवश्यक है। बिना शिक्षा प्राप्त किया कोई व्यक्ति सफलता की ऊँचाईयों को नहीं छु सकता। उच्च शिक्षा से व्यक्ति सकीर्णता से निकलकर सहिष्णुता के क्षेत्र में प्रवेश करता है।

आयुर्वेद में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अनेक परास्नातक स्तर के पाठ्यक्रम जैसे पंचकर्मा, शरीर रचना, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, स्त्री एंव प्रसुति रोग आदि पाठ्यक्रम चल रहे है। इन्ही विभागों में विशिष्टता हॉसिल करने के लिए पी.एच.डी पाठ्यक्रम भी उपस्थित है। पुरे देश में 338 स्नातक और 138 परास्नातक आयुर्वेद विद्यालय चल कार्य कर रहे है जिसमें बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर आदि उच्च प्रतिभा के व्यक्तियों को तैयार किया जाता है।

इस अवसर पर आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य, मंजूनाथ एन एस, डॉ. डॉ. मिनी के वी, प्रज्ञा सिंह, सहित सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

द्वादश दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के द्वादश दिवस के प्रथम सत्र में आयुर्वेद कालेज के सह आचार्य डॉ. सुमित कुमार एम ने आयुर्वेदीय डिजिटल एप के बारे में नवआगन्तुक विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान कराई। जिसमें अष्टांगहृदयम सूत्र स्थान, कलेक्शन ऑफ आयुर्वेदा, आयुपीडिया, अमरकोश, शब्दरूप माला, रिर्सचर आदि आयुर्वेद पाठ्यक्रम से सम्बन्धित एप के बारे में जो उन्हें आगे पाठ्यक्रम समझने में महत्वपूर्ण हैविस्तृत जानकारी प्रदान करी। इस अवसर पर आयुर्वेद कालेज के डॉ. दीपू मनोहर, डॉ. जशोबंत दंसाना सहित सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के द्वादश दिवस **26 फरवरी, 2023** के तृतीय सत्र के संस्कृत भारती द्वारा पाठ्यक्रम वदतु संस्कृतम् के कार्यशाला में मुख्य वक्ता संस्कृत भारती गोरक्षप्रान्त के प्रान्त मंत्री डॉ. जोखन पाण्डेय, संस्कृत सम्भाषण के द्वारा व्यक्तित्व परिवर्तन इस विषय पर बोलते हुए कहा कि संस्कृत मात्र भाषा ही नही यह विद्या है। संस्कृत संस्कारों की भाषा है मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में है और पूर्व काल में भी रही है। संस्कृत किसी जाति या वर्ग की भाषा नही यह सम्पूर्ण मानव समाज की भाषा है इसके अध्ययन से व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास के साथ समाज में व्याप्त विभिन्न प्रकार के विवादों जैसे भाषावाद, क्षेत्रवाद, जातिवाद आदि को समाप्त किया जा सकता है। संस्कृत का अध्ययन मनुश्य में मनुष्यता प्रदान करता है।ऋषि महर्षियों द्वारा लिखे आयुर्वेद सहित सभी ग्रन्थ संस्कृत भाषा में ही है अतः संस्कृत पढ़ने से आयुर्वेद ग्रन्थों को भली–भॉति पढ़ और समझकर एक श्रेष्ठ चिकित्सक हम बन सकते है। संस्कृत पढ़ने और बोलने से व्यक्ति में संस्कार और सेवा की भावना आती है। समाज में देखा जाता है जो संस्कृत पढ़ा है वह विज्ञान नहीं जानता है। और जो विज्ञान पढ़ता है वह संस्कृत नहीं जानता है। बीएएमएस के विद्यार्थी बहुत ही भाग्यशाली है जो विज्ञान और संस्कृत भाषा पढ़ते और समझते है। चिकित्सक को सेवा भाव के द्वारा कार्य करना चाहिए। संस्कृत बोलने से स्वतः ही प्राणायाम हो जाता है दिल्ली एम्स में महामृत्युंजय मंत्र के प्रयोग के माध्यम से चिकित्सकों ने चिकित्सकों ने जाना इस मंत्र के प्रयोग से स्वास्थय में शीघ्र लाभ होता है। प्राचीन इतिहास पढ़ने पर यह ज्ञात होता है कि पहले ही संस्कृत ही जन जन की भाषा थी। संस्कृत बोलने से आपकी वाणी मधुर और परिष्कृत होगी। आपके अन्दर सेवा भाव आयेगा, आप एक श्रेष्ठ चिकित्सक बनेंगे। आगामी काल भारत का होगा आयुर्वेद का होगा व वैद्यों का होगा।

त्रयोदश दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के त्रयोदश दिवस 27 **फरवरी**, 2023 के प्रथम सत्र में डॉ. गुडीपुडी वी. एस.एस.एन. सार्वभौम ने कहा कि आयुर्वेद की उपयोगिता विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि आयुर्वेद भारतीय दर्शन पर आधारित है। मूलजगत और सूक्ष्मजगत का सिद्धान्त है। जबकि आधुनिक चिकित्सा पद्धति परिणाम आधारित है। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय जी ने विभक्ति, अव्यय, प्रत्यय के वाक्य प्रयोग और पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को संस्कृत संभाषण का ज्ञान कराया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के त्रयोदश दिवस 27 **फरवरी**, 2023 के तृतीय सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. राजावशिष्ठ त्रिपाठी ने आणविक जीव विज्ञान शास्त्र चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी करेंट ट्रेंड्स इन इंट्रिग्रेटेड मेडिसिन विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि वैकिल्पक चिकित्सा उस चिकित्सा पद्धति को कहते है जो परम्परागत चिकित्सा पद्धति के अतंर्गत नहीं रखी जा सकती और जिसे एक सामान रूप से कभी प्रभावी नहीं माना जाता। इसमें वैज्ञानिक आधार के स्थान पर ऐतिहासिक या सांस्कृतिक उपचार पद्धतियां शामिल होती है। परन्तु अब लोगों को पता चल गया है कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति के कई दुष्परिणाम भी हैं। अतः स्वास्थ्य रहने के लिए वैकल्पिक चिकित्सा का साहारा लेना आवश्यक है। वैकल्पिक चिकित्सा में आयुर्वेद, ध्यान योग, पारम्परिक चीनी चिकित्सा पद्धति, होमेयोपैथिक आदि उपचार पद्धतियां शामिल हैं। इसे पूरक चिकित्सा पद्धति के समूह में रखा जाता है। इसे आधुनिक चिकित्सा पद्धति के संयोजन में प्रयोग किया जाता है। वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति जो पूर्णतः वैज्ञानिक प्रक्रिया पर आधारित न होने के बावजूद कई गंभीर बीमारियों में कारगर साबित हो रहे हैं।

त्रयोदश दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के त्रयोदश दिवस **27 फरवरी, 2023** के चतुर्थ सत्र में मुख्य वक्ता वैद्य आकाश चन्द्र त्रिपाठी जी ने 'रोल ऑफ पंचकर्मा' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सा पद्धति भारत की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धतियों में से एक है। यह आयुर्वेद की विशिष्ट चिकित्सा पद्धति है। इस पद्धति में शरीर के विषों को बाहर निकाल कर शुद्ध किया जाता है। पूरे विश्व में वैद्यों द्वारा पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से रोग शमन किया जा रहा है। यहां तक की निजी अस्पतालों में जैसे – दिल्ली का मेदांता अस्पताल में पंचकर्मा यूनिट चलाया जा रहा है, जिसमें हृदय रोगियों का पंचकर्मा द्वारा आरोग्यता प्रदान किया जा रहा है। पंचकर्मा चिकित्सा के माध्यम से किया गया रोग निदान प्राय उन रोगों की पुनरावृत्ति लोगों में नहीं होती है।

पंचकर्मा चिकित्सा तीन चरणों में होती है। 1. पूर्व कर्म–जिसमें रोगी के शरीर को पंचकर्म के योग्य बनाया जाता है। 2. प्रधान कर्म–इसमें वमन, विरेचन, बस्ती द्रय एवं नस्य द्वारा शरीर का शोधन किया जाता है। 3. पाश्चात्य् कर्म– इसमें पंचकर्म चिकित्सा द्वारा प्राप्त शरीर दुर्बल्यता का उपचार किया जाता है। वैद्य जी ने इन सभी पंचकर्मा विधाओं का वास्तविक अनुभूति स्वनिर्मित चलचित्र के माध्यम से विद्यार्थियों को कराया।

इसी क्रम में वैद्य त्रिपाठी जी ने कहा कि अपनी प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति का अध्ययन कर उसमें अभ्यास करें तभी आप समाज में विशिष्ट स्थान प्राप्त कर सकेगें। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. विनम्र शर्मा सहित समस्त नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहें।

चर्तुदश दिवस
अभिविन्यास समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के चर्तुदश दिवस **28 फरवरी, 2023** के प्रथम सत्र में डॉ. दीपू मनोहर ने शारीरिक संरचना विधा के इतिहास व उसकी महत्ता पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी भी रोगी का उपचार करने से पूर्व उस रोगी के शारीरिक संरचना को बखूबी जानना होता है तत्पश्चात् रोगी का ठीक से उपचार किया जा सकता है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कालेज, में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के चर्तुदश दिवस **28 फरवरी, 2023** के तृतीय सत्र में वैद्य शशिकान्त राय ने आयुर्वेद के प्रमाणित व्यवहारिक सामाजिक चिकित्सा विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि आयुर्वेदिक चिकित्सा की प्रमाणिकता पाँच हजार वर्षों से अधिक पुरानी है। आयुर्वेद का ज्ञान प्राचीन ग्रन्थ ऋग्वेद में प्राप्त होता है। आयुर्वेद चारों वेदों में से अर्थवेद का उपवेद है इसे पंचम वेद कहा जाता है। बीएएमएस के विद्यार्थियों को संस्कृत को मन से पढ़ना चाहिए। ये आपके मन मष्तिक को स्वस्थ्य रखते हुए आपको एक अच्छा वैद्य बनाता है। विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आयुर्वेद की प्रमाणिकता इसी से सिद्ध होती है कि पुरी दुनिया मिलेट्स्स की बात कर रही है शुद्ध आहार विहार की चर्चाएं हो रही है जो आयुर्वेद की संहिताओं में हजारों वर्षो के पहले से लिखा हुआ है। उन्होंने वात पित्त कफ के असंतुलित होने से रोग होते है। इन तीनों को संतुलित करना ही चिकित्सा है उन्होंने आहार के बारे में बताते हुए कहा कि हमें सोच विचार के शुद्ध आहार लेना चाहिए हम कोई भी आहार लेते है वह पच जाता है तो शरीर को पोषण प्रदान करता है और अपचा आहार विष का निर्माण करता है जो रोग का कारण बनता है। इस अवसर पर आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ मंजुनाथ, डॉ. विनम्र भार्मा, आचार्य साध्वी नन्दन, डॉ प्रज्ञा सिंह, डॉ चैतन्या आदि उपस्थित रहें।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

mguniversitygkp@mgug.ac.in
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
https://www.mgug.ac.in/
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur